# चम्पारण ज्ञानाग्रह

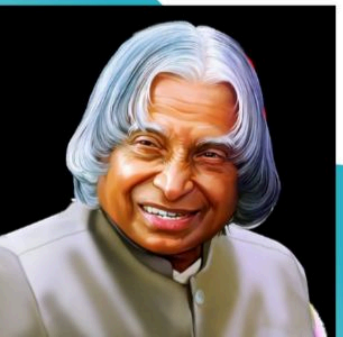
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 02 नवंबर 2026, अंक –391.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."




"सादगी ही परम परिष्कार है।" — लियोनार्डो द विंची



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

# "प्रार्थना-सभा सामग्री"

## Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा...

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

## बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

## राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

## राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



## संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

## मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

## मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

# वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

## सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. टोगो की राजधानी क्या है?
उत्तर: लोमे
प्रश्न 2. ओलंपिक खेलों में बैडमिंटन का व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: साइना नेहवाल
प्रश्न 3. 'चाक्यार कूथु' किस राज्य की पारंपरिक शास्त्रीय कला है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. दो संख्याओं का अनुपात 3 : 5 है और उनका योग 40 है। छोटी संख्या कितनी है?
उत्तर: 15
प्रश्न 5. बिहार में प्रसिद्ध सोनपुर पशु मेला किन दो नदियों के संगम के निकट लगता है?
उत्तर: गंगा-गंडक
प्रश्न 6. किस मगरमच्छ प्रजाति की थूथन लंबी और पतली होती है तथा वह मुख्यतः मछलियाँ खाती है?
उत्तर: घड़ियाल
प्रश्न 7. आधुनिक पैराशूट से पहली सफल सार्वजनिक छलाँग लगाने वाले फ्रांसीसी आविष्कारक कौन थे?
उत्तर: आंद्रे-जाक गार्नेरिन
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी निर्धारित की गई है?
उत्तर: अनुच्छेद 343
प्रश्न 9. 'जो सब कुछ जानता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: सर्वज्ञ
प्रश्न 10. यदि किसी व्यक्ति की नाक से खून बहने लगे, तो प्राथमिक उपचार में उसका सिर किस दिशा में झुकाना चाहिए?
उत्तर: आगे की ओर

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

## शब्द - संगम

1. Equator - इक्वेटर - भूमध्य रेखा
2. Latitude - लैटिट्यूड - अक्षांश
3. Longitude - लॉन्गिट्यूड - देशांतर
4. Meridian - मेरिडियन - मध्याह्न रेखा
5. Altitude - ऑल्टिट्यूड - ऊँचाई
6. Precipitation - प्रिसिपिटेशन - वर्षण
7. Topography - टोपोग्राफी - स्थलाकृति



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

## English गप-शप

आज का Structure: "How often is he/she going to + V1?"
(वह कितनी बार ... करने वाला/वाली है?)
वह कितनी बार अपनी डायरी लिखने वाली है? – How often is she going to write in her diary?
वह कितनी बार संगीत का अभ्यास करने वाला है? – How often is he going to practise music?
वह कितनी बार संग्रहालय जाने वाला है? – How often is he going to visit the museum?
वह कितनी बार अपने दादा-दादी से मिलने वाली है? – How often is she going to visit her grandparents?
वह कितनी बार पौधों को पानी देने वाला है? – How often is he going to water the plants?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

# "सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 2 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा पत्रकारों के विरुद्ध किए जाने वाले अपराधों के न्याय और स्वतंत्र प्रेस की रक्षा हेतु कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों के लिए दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दिवस (IDEI)
व्याख्या: 2 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'पत्रकारों के विरुद्ध अपराधों के लिए दंडमुक्ति समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दिवस' (International Day to End Impunity for Crimes against Journalists) मनाया जाता है। 2 नवंबर 2013 को माली में दो फ्रांसीसी पत्रकारों की हत्या की स्मृति में महासभा ने संकल्प 68/163 पारित कर इस दिवस की घोषणा की थी। इसका मुख्य उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता की सुरक्षा सुनिश्चित करना, सूचना के अधिकार की रक्षा करना और मीडियाकर्मियों पर होने वाले हमलों के दोषियों को न्याय के दायरे में लाना है।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution 68/163; UNESCO Director-General's Report on the Safety of Journalists;

प्र.2. हाल ही में भारतीय नौसेना में स्वदेशी रूप से शामिल की गई अगली पीढ़ी की 'प्रोजेक्ट 15B' निर्देशित मिसाइल विध्वंसक श्रेणी (Visakhapatnam-class) की अंतिम युद्धपोत इकाई का क्या नाम है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: आईएनएस सूरत (INS Surat)
व्याख्या: 'प्रोजेक्ट 15B' (स्टील्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर) के अंतर्गत मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) द्वारा निर्मित युद्धपोतों की श्रृंखला में 'आईएनएस सूरत' इस श्रेणी का चौथा और अंतिम विध्वंसक जहाज है (पूर्ववर्ती तीन: आईएनएस विशाखापट्टनम, आईएनएस मोरमुगाओ, और आईएनएस इंफाल)। यह युद्धपोत सतह-से-सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों, बराक-8 लंबी दूरी की सतह-से-हवा मिसाइलों और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर प्रणाली से लैस है। यह हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा और आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण को सशक्त बनाने की दिशा में रणनीतिक उपलब्धि है।
संदर्भ: Ministry of Defence Press Releases; Indian Navy Official Information Dossier;

प्र.3. 7वीं शताब्दी में महाकवि बाणभट्ट द्वारा संस्कृत में रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध गद्य काव्य है, जिसे विश्व साहित्य के प्रारंभिक उपन्यासों में गिना जाता है और जिसमें चंद्रापीड़ तथा कादंबरी के पुनर्जन्म की प्रणय-कथा वर्णित है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: कादंबरी
व्याख्या: 'कादंबरी' संस्कृत साहित्य की सबसे उत्कृष्ट गद्य-काव्य (कथा) कृति है, जिसकी रचना सम्राट हर्षवर्द्धन के दरबारी कवि बाणभट्ट ने 7वीं शताब्दी में की थी। बाणभट्ट के निधन के उपरांत उनके पुत्र भूषणभट्ट (पुलिंदभट्ट) ने इसके उत्तरार्ध (उत्तरभाग) को पूरा किया। इसमें गंधर्व राजकुमारी कादंबरी और उज्जयिनी के राजकुमार चंद्रापीड़ के कई जन्मों के प्रेम, त्याग और वियोग का अत्यंत अलंकृत, क्लिष्ट और सुंदर शैली में अंकन है। संस्कृत विद्वानों में यह उक्ति प्रसिद्ध है — "कादम्बरी-रसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते" (अर्थात कादंबरी के रस का आस्वादन करने वाले को भोजन भी अच्छा नहीं लगता)।
संदर्भ: महाकवि बाणभट्ट — 'कादंबरी', चौखम्बा विद्याभवन; NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 10 "इमारतें, चित्र तथा किताबें";

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए क्षेत्र में पादप जातियों द्वारा प्रति इकाई समय में प्रकाश संश्लेषण द्वारा कुल संचित कार्बनिक पदार्थ (रासायनिक ऊर्जा) की संपूर्ण दर को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: सकल प्राथमिक उत्पादकता (GPP / Gross Primary Productivity)
व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र में प्राथमिक उत्पादकों (हरे पौधों और प्रकाश-संश्लेषी जीवाणुओं) द्वारा सौर ऊर्जा को अवशोषित कर प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से बनाए गए संपूर्ण कार्बनिक पदार्थ (बायोमास) के उत्पादन की दर 'सकल प्राथमिक उत्पादकता' (Gross Primary Productivity - GPP) कहलाती है। पौधे इस उत्पादित ऊर्जा का एक बड़ा भाग अपने स्वयं के कोशिकीय श्वसन (R) में व्यय कर देते हैं। सकल प्राथमिक उत्पादकता में से श्वसन हानि घटाने के बाद जो ऊर्जा बचती है, उसे 'शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता' (Net Primary Productivity - NPP) कहा जाता है (NPP = GPP - R)। यही NPP उपभोक्ताओं (शाकाहारी जीवों) के लिए भोजन के रूप में उपलब्ध होती है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem Productivity), p. 260–263;

प्र.5. 1831-32 में ब्रिटिश शासन, भारी करों और बाहरी जमींदारों (दीकु) द्वारा पारंपरिक अधिकारों के हनन के विरुद्ध छोटानागपुर के रांची, सिंहभूम और हजारीबाग में भड़के ऐतिहासिक 'कोल विद्रोह' का नेतृत्व किन वीर भाइयों ने किया था? (इतिहास)
उत्तर: बुद्धू भगत, जोआ भगत और मदारा महतो
व्याख्या: 'कोल विद्रोह' (1831–1832) औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध भारत का एक अत्यंत संगठित और हिंसक जनजातीय जन-आंदोलन था। इस विद्रोह में मुंडा, उरांव, हो और अन्य जनजातियों (जिन्हें अंग्रेज सामूहिक रूप से 'कोल' कहते थे) ने भाग लिया। जब अंग्रेजों ने स्थानीय आदिवासियों की पुश्तैनी जमीनें छीनकर बाहरी मुस्लिम और सिख ठेकेदारों को लगान वसूली हेतु दे दीं, तो बुद्धू भगत (सिलगाई, रांची) के नेतृत्व में कोल लड़ाकों ने तीर-धनुष, भाले और कुल्हाड़ियों के साथ विद्रोह कर दिया। कैप्टन विल्किंसन के नेतृत्व वाली ब्रिटिश सेना के साथ भीषण संघर्ष में बुद्धू भगत अपने परिवार और सैकड़ों साथियों सहित वीरगति को प्राप्त हुए। इसके पश्चात अंग्रेजों ने 1833 में 'दक्षिण-पश्चिम सीमांत एजेंसी' (SWFA) का गठन किया।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 4 "आदिवासी, दीकु और एक स्वर्ण युग की कल्पना", p. 43–46;

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. मध्य भारत के अमरकंटक पठार से निकलकर उत्तर-पूर्व की ओर बहती हुई बिहार में पटना के निकट मनेर में गंगा नदी में विलीन होने वाली प्रमुख दक्षिण-तटीय सहायक नदी कौन-सी है? (भूगोल)
उत्तर: सोन नदी (Sone River)
व्याख्या: सोन नदी गंगा की एक प्रमुख दाहिनी (दक्षिणी) तटवर्ती सहायक नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 784 किलोमीटर है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मैकाल पर्वत श्रेणी के अमरकंटक शिखर से नर्मदा के उद्गम स्थल के समीप से ही होता है, परंतु विपरीत ढाल के कारण यह उत्तर-पूर्व दिशा में बहती है। यह मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड की सीमाओं को छूती हुई बिहार के रोहतास जिले में प्रवेश करती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में रिहंद, उत्तरी कोयल, जोहिला और गोपद शामिल हैं। रोहतास के डेहरी-ऑन-सोन में इस पर 1874 में निर्मित ऐतिहासिक 'सोन बैराज' स्थित है। यह नदी अंततः पटना के निकट दानापुर/मनेर के पास गंगा नदी में मिल जाती है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 20–22;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य विधानमंडलों के सदनों में 'सत्राहूत करने, सत्रावसान करने और विधानसभा को भंग करने' की राज्यपाल की शक्ति को परिभाषित करता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 174 (Article 174)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य विधानमंडल के अंतर्गत 'अनुच्छेद 174' राज्यपाल की महत्वपूर्ण विधायी शक्तियों से संबंधित है। इसके अनुसार: (1) राज्यपाल समय-समय पर राज्य विधानमंडल के सदन या सदनों को ऐसे समय और स्थान पर अधिवेशन के लिए बुलाएंगे, जिसे वे उचित समझें; परंतु दोनों सत्रों की अंतिम बैठक और आगामी सत्र की पहली बैठक के मध्य 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए; (2) राज्यपाल किसी भी सदन का सत्रावसान (Prorogue) कर सकते हैं; (3) राज्यपाल राज्य विधानसभा को समय से पूर्व भी मुख्यमंत्री (मंत्रिपरिषद) की सलाह पर भंग (Dissolve) कर सकते हैं।
संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 174; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका", p. 106–110;

प्र.8. किसी विद्युत बल्ब के फिलामेंट से होकर यदि 0.5 एम्पीयर की धारा 10 मिनट तक प्रवाहित होती है, तो उस विद्युत परिपथ से प्रवाहित होने वाले कुल विद्युत आवेश (Electric Charge) का मान कितने कूलॉम होगा? (विज्ञान)
उत्तर: 300 कूलॉम (C)
व्याख्या: विद्युत धारा (I) किसी चालक में विद्युत आवेश (Q) के प्रवाह की दर होती है।
सूत्र: $I = Q / t$, अतः कुल आवेश: $Q = I \times t$
यहाँ दिया गया है:, विद्युत धारा (I) = 0.5 एम्पीयर (A), समय (t) = 10 मिनट
(समय को मानक SI मात्रक सेकंड में बदलना अनिवार्य है):
$t = 10 \times 60 = 600\text{ सेकंड}$, मान प्रतिस्थापित करने पर:, $Q = 0.5 \times 600$
$Q = 300\text{ कूलॉम (C)}$।
अतः उस परिपथ से प्रवाहित कुल आवेश 300 कूलॉम होगा।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (विद्युत धारा और परिपथ), p. 219–222;

प्र.9. 8वीं शताब्दी में पाल राजवंश के सम्राट धर्मपाल द्वारा बिहार के भागलपुर जिले में कहलगांव के निकट गंगा तट पर स्थापित किया गया प्रसिद्ध बौद्ध महाविहार कौन-सा था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: विक्रमशिला महाविहार (Vikramashila University)
व्याख्या: विक्रमशिला महाविहार प्राचीन भारत में नालंदा के समकक्ष तंत्रयान बौद्ध दर्शन और उच्च शिक्षा का एक अत्यंत प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय केंद्र था। इसकी स्थापना 8वीं शताब्दी के अंत में (लगभग 783–820 ईस्वी) पाल साम्राज्य के प्रतापी राजा धर्मपाल ने भागलपुर (प्राचीन अंग प्रदेश) के अंतीचक गाँव में करवाई थी। धर्मपाल को 'विक्रमशील' की उपाधि प्राप्त थी, जिसके नाम पर इसका नामकरण हुआ। यहाँ व्याकरण, न्याय, दर्शन, तत्वज्ञान और तंत्रशास्त्र की उच्च शिक्षा दी जाती थी। इस विश्वविद्यालय के सबसे प्रसिद्ध आचार्य 'दीपंकर श्रीज्ञान अतिश' थे, जिन्होंने तिब्बत जाकर लामा बौद्ध धर्म का पुनरुद्धार किया था। 1203 ईस्वी में बख्तियार खिलजी के आक्रमण में यह नष्ट हो गया था।
संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 2 "नए राजा और उनके राज्य", p. 24–27;

प्र.10. 1908 में बिहार के मुजफ्फरपुर में किस बदनाम ब्रिटिश जज की गाड़ी पर खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने बम फेंका था, जिसके बाद खुदीराम बोस स्वाधीनता आंदोलन के सबसे कम उम्र के शहीद बने? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: डगलस किंग्सफोर्ड (मुजफ्फरपुर बम कांड)
व्याख्या: 30 अप्रैल 1908 की शाम को मुजफ्फरपुर में क्रांतिकारी संगठन 'युगांतर' के दो नवयुवक स्वतंत्रता सेनानियों — खुदीराम बोस (मात्र 18 वर्ष) और प्रफुल्ल चाकी ने उस अत्याचारी ब्रिटिश जिला जज डगलस किंग्सफोर्ड की बग्घी पर बम फेंका, जिसने कोलकाता में क्रांतिकारियों और किशोर सत्याग्रहियों पर बर्बर कोड़े बरसाने की सजाएं दी थीं। दुर्भाग्यवश उस बग्घी में किंग्सफोर्ड के बजाय मिसेज कैनेडी और उनकी पुत्री सवार थीं, जिनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद मोकामा के पास पुलिस से घिरने पर प्रफुल्ल चाकी ने स्वयं को गोली मारकर शहादत दी, जबकि खुदीराम बोस समस्तीपुर के वैनी (अब खुदीराम बोस पूसा) स्टेशन पर पकड़े गए। 11 अगस्त 1908 को मुजफ्फरपुर जेल में खुदीराम बोस को मात्र 18 वर्ष 8 माह की आयु में हंसते-हंसते फांसी दे दी गई।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module;

# "सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W5 — स्वच्छता संबंधी जानकारी) के अनुसार खुले में शौच (Open Defecation) से कौन-से गंभीर जल-जनित संक्रामक रोग फैलते हैं और विद्यालय परिसर में ठोस व गीले कचरे के सुरक्षित पृथक्करण हेतु क्रमशः किस रंग के कूड़ेदानों का उपयोग किया जाता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: डायरिया, हैजा, टाइफाइड व कृमि रोग; गीला कचरा: हरा कूड़ेदान, सूखा कचरा: नीला कूड़ेदान

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W5: स्वच्छता संबंधी जानकारी) और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण व शहरी) के मानकों के अनुसार: (1) खुले में शौच के स्वास्थ्य जोखिम — खुले में शौच करने से मक्खियाँ, हवा और वर्षा का जल मानव मल के रोगजनक जीवाणुओं (E. coli, साल्मोनेला), वायरस और कृमि के अंडों को भोजन व जल स्रोतों तक पहुंचा देते हैं (F-Diagram: Feces-Fluids-Flies-Fields-Fingers-Food); इससे बच्चों में तीव्र दस्त (डायरिया), हैजा, हेपेटाइटिस-ए, आंतों के कीड़े (कृमि) और कुपोषण की स्थायी समस्या हो जाती है; हमेशा बंद फ्लश या सोक-पिट युक्त स्वच्छ शौचालय का ही उपयोग करें; (2) कूड़ेदान का रंग कोड (Waste Segregation) — विद्यालय और घरों में कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण अनिवार्य है: 'हरा कूड़ेदान' (Green Dustbin) — गीला और जैव-अपघटनीय कचरा (बचा हुआ मध्याह्न भोजन, फलों-सब्जियों के छिलके, पत्तियाँ); 'नीला कूड़ेदान' (Blue Dustbin) — सूखा व अजैव-निम्नीकरणीय कचरा (कागज, गत्ते, प्लास्टिक रैपर, कांच, धातु के डिब्बे); इससे कचरा पुनर्चक्रण सुगम होता है और विद्यालय परिसर स्वच्छ व मच्छर-मुक्त रहता है।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W5 — "स्वच्छता संबंधी जानकारी"; Swachh Bharat Mission Guidelines, Ministry of Jal Shakti;

प्र.12. एक व्यक्ति ₹5,000 की धनराशि 10% वार्षिक साधारण ब्याज की दर पर 3 वर्ष के लिए बैंक में जमा करता है। बताइए 3 वर्ष बाद उसे कुल कितना मिश्रधन (Amount) प्राप्त होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: ₹6,500

व्याख्या: यह साधारण ब्याज (Simple Interest) और मिश्रधन की गणना पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है।

मूलधन (P) = ₹5,000, ब्याज दर (R) = 10% वार्षिक, समय (T) = 3 वर्ष

साधारण ब्याज (SI) का सूत्र:

$SI = (P \times R \times T) / 100$, मान प्रतिस्थापित करने पर: $SI = (5,000 \times 10 \times 3) / 100$

$SI = 50 \times 30 = 1,500$ रुपये। अब मिश्रधन $(A) = \text{मूलधन} + \text{साधारण ब्याज}$

$A = P + SI$, $A = 5,000 + 1,500 = 6,500$ रुपये।, अतः 3 वर्ष बाद उस व्यक्ति को कुल ₹6,500 का मिश्रधन प्राप्त होगा।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 8 "राशियों की तुलना" (साधारण ब्याज), p. 170–174;


शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण




अनुभाग-4

## -: शब्द - संगम :-

1. Perfidious (परफिडियस) = Treacherous (ट्रेचरस) = विश्वासघाती / धोखेबाज़
   Antonym – Faithful (फेथफुल) = वफ़ादार / निष्ठावान
2. Languid (लैंग्विड) = Sluggish (स्लगिश) = सुस्त / निष्क्रिय / थका हुआ
   Antonym – Vigorous (विगरस) = ऊर्जावान / जोशीला
3. Imbroglio (इम्ब्रोलियो) = Complication (कॉम्प्लिकेशन) = उलझन / जटिल स्थिति
   Antonym – Resolution (रेज़ोल्यूशन) = समाधान / निपटारा
4. Trenchant (ट्रेनचेंट) = Incisive (इन्साइसिव) = तीक्ष्ण / प्रभावशाली / पैना
   Antonym – Vague (वेग) = अस्पष्ट / अनिश्चित
5. Nadir (नेडिर) = Lowest point (लोएस्ट पॉइंट) = निम्नतम स्तर / सबसे निचला बिंदु
   Antonym – Zenith (ज़ेनिथ) = सर्वोच्च बिंदु / शिखर




~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

# "आज का अख़बार"

## NATIONAL NEWS

**Air Chief Marshal Ashutosh Dixit takes over as 29th Chief of the Air Staff; succeeds Air Chief Marshal Amar Preet Singh**

**हिन्दी अनुवाद: एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 29वें वायु सेना प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण किया; एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लिया।**

**एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 31 अक्टूबर को 29वें वायु सेना प्रमुख (CAS) के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लिया, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हुए।**

**Pension and Pensioners' Welfare Department to organise nationwide Digital Life Certificate (DLC) Campaign-5 from November 1 to 30, 2026**

**हिन्दी अनुवाद: पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग 1 से 30 नवंबर, 2026 तक 'राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (DLC) अभियान-5' आयोजित करेगा।**

**पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग 1 से 30 नवंबर, 2026 तक 'राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (DLC) अभियान-5' आयोजित करेगा। यह अभियान पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जारी करने में मदद करेगा।**

**PM Modi hails five states on foundation day; highlights their role in India's growth**

**हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने स्थापना दिवस पर पाँच राज्यों की सराहना की; भारत की वृद्धि में उनकी भूमिका पर जोर दिया। ◆**

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थापना दिवस पर पाँच राज्यों की सराहना की और भारत की वृद्धि में उनकी भूमिका पर जोर दिया।**

## INTERNATIONAL NEWS

**Iran says talks under way on two-day plan to reopen Strait of Hormuz; Trump says US not in 'a hurry' to agree deal**

**हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को दो दिनों में फिर से खोलने की योजना पर बातचीत चल रही है; ट्रंप ने कहा कि अमेरिका समझौते के लिए 'जल्दबाजी' में नहीं है।**

**ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य को दो दिनों में फिर से खोलने की योजना पर कतरी मध्यस्थों के साथ बातचीत चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका समझौते के लिए जल्दबाजी में नहीं है।**

**Iranian Defense Minister warns of 'immediate, effective and proportionate response' to any threat; Houthis claim new attack on Riyadh airport; Saudi forces say missile intercepted**

**हिन्दी अनुवाद: ईरानी रक्षा मंत्री ने किसी भी खतरे के लिए 'तत्काल, प्रभावी और आनुपातिक प्रतिक्रिया' की चेतावनी दी; हूतियों ने रियाद हवाई अड्डे पर नया हमला करने का दावा किया; सऊदी बलों ने मिसाइल रोकने का दावा किया।**

**ईरानी रक्षा मंत्री मेहरदाद अखलागी ने चेतावनी दी कि तेहरान किसी भी खतरे के लिए तत्काल, प्रभावी और आनुपातिक प्रतिक्रिया देने के लिए प्रतिबद्ध है। हूतियों ने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नए बैलिस्टिक मिसाइल हमले का दावा किया। सऊदी बलों ने मिसाइल रोकने का दावा किया।**

**Qatar's national gas company reports vessel struck in Persian Gulf; Israeli strikes on Gaza kill eight people including a boy**

**हिन्दी अनुवाद: कतर की राष्ट्रीय गैस कंपनी ने फारस की खाड़ी में जहाज पर हमले की खबर दी; गाजा पर इजरायली हमलों में एक बच्चे सहित आठ लोग मारे गए। ◆**

**कतर की राष्ट्रीय गैस कंपनी ने बताया कि उसका एक जहाज फारस की खाड़ी में हमले का शिकार हुआ। गाजा पर इजरायली हमलों में एक बच्चे सहित आठ लोग मारे गए।**

# BIHAR NEWS

Bihar to seek relief funds from Centre to remove sand, silt from flood-hit farmlands, fisheries; 22 districts asked to assess damage

हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू-गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगा; 22 जिलों को क्षति आकलन का निर्देश। ◆ बिहार सरकार बाढ़ प्रभावित खेतों और मत्स्य क्षेत्रों से बालू और गाद हटाने के लिए केंद्र से राहत फंड मांगेगी। आपदा प्रबंधन विभाग ने 22 जिलों के जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित कृषि भूमि और मत्स्य क्षेत्रों में जमा बालू और गाद का आकलन करने का निर्देश दिया है। बाढ़ गंगा, सोन, गंडक, कोसी और अन्य नदियों में आई थी।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; government approves plan to remove silt and build embankment from Valmikinagar to 80 km

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; सरकार ने गाद हटाने और वाल्मीकिनगर से 80 किमी तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी। ◆

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। बिहार सरकार ने गंडक नदी से गाद निकालने और वाल्मीकिनगर से करीब 80 किलोमीटर तक तटबंध बनाने की योजना को मंजूरी दी है।

# SPORTS NEWS

India win T20I series 3–2 against New Zealand; New Zealand win 5th T20I by 7 wickets

हिन्दी अनुवाद: भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ T20I श्रृंखला 3–2 से जीती; न्यूज़ीलैंड ने पाँचवां T20I 7 विकेट से जीता। ◆

हैमिल्टन के सेडन पार्क में न्यूज़ीलैंड ने 195/3 बनाए। टिम सीफर्ट ने 93 रन बनाए और ग्लेन फिलिप्स ने 65 रन बनाए। भारत 191/8 पर सिमट गया। न्यूज़ीलैंड ने सात विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन भारत ने श्रृंखला 3–2 से जीती।

India win five-match T20I series 3–2 against New Zealand; New Zealand win last two matches

हिन्दी अनुवाद: भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पाँच मैचों की T20I श्रृंखला 3–2 से जीती; न्यूज़ीलैंड ने अंतिम दो मैच जीते।

भारत ने पहले तीन T20I जीते हैं और श्रृंखला में 3–2 की बढ़त बनाई है। न्यूज़ीलैंड ने अंतिम दो मैच जीते।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

"भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ T20I श्रृंखला 3–2 से जीती"

भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पाँच मैचों की T20I श्रृंखला 3–2 से जीती। न्यूज़ीलैंड ने पाँचवां T20I सात विकेट से जीता, लेकिन भारत ने श्रृंखला अपने नाम की। टिम सीफर्ट ने 93 रन बनाए और ग्लेन फिलिप्स ने 65 रन बनाए।

अनुभाग-6

# प्रेरक पहल

























आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

# "माथा-पच्ची"

## आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-30

सोचो... समझो... हल करो...

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 6 | | | | 8 | 2 |
| | | | | | | | | |
| 3 | 1 | | | | | 4 | 7 | |
| 5 | | | | | | 1 | | |
| | | | 2 | 3 | | | | |
| | 8 | | | 7 | 6 | | | |
| | 6 | | 8 | | | | | |
| 1 | | 7 | | | 2 | | | 5 |
| 9 | | | | | | 3 | | |

### नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

### आज का विचार

"उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

— स्वामी विवेकानंद

### याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

### उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 9 | 4 | 6 | 1 | 3 | 5 | 8 | 2 |
| 8 | 2 | 6 | 4 | 9 | 7 | 1 | 3 | 1 |
| 3 | 1 | 5 | 5 | 2 | 8 | 4 | 7 | 9 |
| 5 | 3 | 2 | 9 | 5 | 4 | 1 | 6 | 7 |
| 6 | 7 | 1 | 2 | 3 | 5 | 9 | 4 | 8 |
| 4 | 5 | 9 | 1 | 7 | 6 | 2 | 5 | 3 |
| 2 | 6 | 3 | 5 | 5 | 9 | 7 | 1 | 4 |
| 1 | 4 | 7 | 3 | 6 | 2 | 5 | 9 | 5 |
| 9 | 6 | 5 | 7 | 4 | 1 | 3 | 2 | 6 |

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

# "डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 8, श्लोक 7
तस्मात्सर्वेषु कालेषु मामनुस्मर युध्य च।
मय्यर्पितमनोबुद्धिर्मामेवैष्यस्यसंशयम्॥

सरल हिन्दी अर्थ:
इसलिए (हे अर्जुन!) तुम सब समय में मेरा निरंतर स्मरण करो और युद्ध (अपना निर्धारित कर्तव्य-कर्म) भी करो। इस प्रकार मुझमें अर्पित मन और बुद्धि वाला होकर तुम निश्चित रूप से मुझे ही प्राप्त होगे, इसमें कोई संशय नहीं है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ आध्यात्मिकता और सांसारिक कर्म के बीच का सबसे व्यावहारिक संतुलन प्रस्तुत करते हैं—आंतरिक शांति के साथ बाहरी संघर्ष (Mindfulness in Action)। वे संन्यास लेकर भागने को नहीं कहते, बल्कि दोहरे अनुशासन का सूत्र देते हैं:

- मामनुस्मर (आंतरिक जागरूकता / Inner Anchoring): मन को उच्चतर सत्य, नैतिक मूल्यों और ईश्वर के प्रति समर्पित रखना। यह मन की पृष्ठभूमि में चलने वाला एक शांत और स्थिर संगीत है, जो बाहरी उथल-पुथल के बीच भी मन को भटकने नहीं देता।
- युध्य च (बाहरी कर्तव्य / Relentless Action): 'युद्ध करो' का अर्थ हर व्यक्ति के लिए उसके जीवन की वास्तविक चुनौतियाँ और दायित्व हैं। कार्य से जी चुराना, कठिनाइयों से पलायन करना या केवल ध्यान के नाम पर आलसी हो जाना योग नहीं है। कर्मक्षेत्र में पूरी ताकत और कुशलता से लड़ना ही धर्म है।
- मय्यर्पितमनोबुद्धिः (तनाव-मुक्त निष्पादन): जब भावनाएँ (मन) और निर्णय (बुद्धि) उच्च आदर्शों को समर्पित होते हैं, तो व्यक्ति परिणाम की व्यर्थ चिंता और व्यक्तिगत अहंकार से मुक्त होकर अपना सर्वश्रेष्ठ दे पाता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

# "अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

## चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

**निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है**

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

## सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

**बगहा।** सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



### सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

## 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

**सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण**

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

**शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:**

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

**कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता:** ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

**शिक्षा से बदलाव की दिशा:**

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



# "भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

## भारतीय संस्कृति के विश्वदूत: स्वामी विवेकानंद

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी ऐसे संन्यासी की सिंहगर्जना सुनी है, जिनके केवल पाँच शब्दों ने सात समंदर पार अमेरिका के हज़ारों विद्वानों को मंत्रमुग्ध कर दिया था और पूरे सभागार में कई मिनटों तक तालियाँ गूँजती रही थीं? वे एक ऐसे ओजस्वी युवा संन्यासी थे, जिन्होंने पूरी दुनिया में भारत के ज्ञान, वेदों और अध्यात्म का परचम लहराया। पूरा विश्व उन्हें बड़े आदर और गौरव से स्वामी विवेकानंद के नाम से जानता है।

स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर कोलकाता के शिमला पल्ली के एक प्रतिष्ठित कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री विश्वनाथ दत्त कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक जाने-माने और उदार हृदय के वकील थे। उनकी माता श्रीमती भुवनेश्वरी देवी अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण, बुद्धिमान और ममतामयी महिला थीं, जो नन्हे बालक को बचपन में रामायण और महाभारत की कहानियाँ सुनाया करती थीं। माता-पिता ने बालक का नाम 'नरेंद्रनाथ दत्त' रखा था, पर घर में सब उन्हें प्यार से 'बिले' और 'नरेन' कहकर पुकारते थे।

नन्हे नरेन बचपन से ही बहुत नटखट, निडर, दयालु और विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। वे हर बात के पीछे का सच जानना चाहते थे। उन्हें ध्यान लगाने का अनोखा शौक था। उनके बचपन की एक घटना बहुत प्रसिद्ध है। एक बार एक बगीचे में नरेन अपने दोस्तों के साथ चंपक के पेड़ पर झूल रहे थे। बगीचे के बूढ़े मालिक ने बच्चों को भगाने के लिए कहा—"उस पेड़ पर मत चढ़ो, उस पर एक भयानक ब्रह्मराक्षस रहता है जो बच्चों की गर्दन मरोड़ देता है।" यह सुनकर बाकी बच्चे डरकर भाग गए, लेकिन नन्हे नरेन फिर से पेड़ पर चढ़कर झूलने लगे। जब दोस्तों ने पूछा कि तुम्हें डर नहीं लगा, तो नरेन ने हँसकर कहा—"अगर पेड़ पर सचमुच कोई राक्षस होता, तो वह मुझे पहले ही पकड़ लेता। किसी के डराने भर से किसी बात पर आँख मूँदकर विश्वास मत करो, जब तक खुद अपनी आँखों से सच न देख लो।"

बड़े होने पर नरेन के मन में ईश्वर को जानने की तीव्र प्यास जगी। वे हर विद्वान से पूछते—"क्या आपने ईश्वर को देखा है?" किसी के पास इसका स्पष्ट उत्तर नहीं था। अंततः दक्षिणेश्वर में उनकी भेंट महान संत श्री रामकृष्ण परमहंस से हुई। परमहंस जी ने मुस्कुराते हुए सीधे कहा—"हाँ, मैंने ईश्वर को देखा है, ठीक वैसे ही जैसे मैं तुम्हें देख रहा हूँ।" गुरु के पावन स्पर्श और ज्ञान से नरेन के सारे संशय मिट गए और वे उनके सबसे प्रिय शिष्य बनकर 'स्वामी विवेकानंद' कहलाए।

11 सितंबर 1893 को अमेरिका के शिकागो शहर में 'विश्व धर्म महासभा' आयोजित हुई। जब भगवा वस्त्र पहने स्वामी जी मंच पर आए और उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत की—"अमेरिका के भाइयो और बहनो!" (Sisters and Brothers of America!), तो सभागार में मौजूद सात हज़ार लोग खुशी से झूम उठे। उन्होंने बताया कि सभी धर्म एक ही ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं। भारत लौटकर उन्होंने मानव सेवा के लिए 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की।

उन्होंने देश के युवाओं को अमर सिंहगर्जना दी—"उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए!" मात्र 39 वर्ष की आयु में, 4 जुलाई 1902 को बेलूर मठ में इस महान कर्मयोगी ने समाधि ले ली। उनके जन्मदिन यानी 12 जनवरी को पूरा देश बड़े गर्व से 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाता है। प्यारे बच्चों, स्वामी विवेकानंद का पावन जीवन हमें सिखाता है कि अपने भीतर की शक्ति पर विश्वास रखो, अंधविश्वास से दूर रहकर सत्य की खोज करो और निस्वार्थ भाव से समाज व देश की सेवा में जुट जाओ।




.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2




Reg. No. BR/2025/0487469

# "चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

## आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# Thank You..

## बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

आध्यात्मिकता कर्म से भागना नहीं, बल्कि कर्म को उत्कृष्ट बनाना सिखाती है। अपने अंतर्मन को सत्य और शांति से जोड़े रखिए, और अपने हाथों से कर्तव्य का युद्ध पूरी निष्ठा से लड़िए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org